

तीं लाभ 10 प्रतिशत हुआ।

लाभ के विभिन्न सिद्धांत  
(Different Theories of Profit)

लाभ निर्धारण के संबंध में भिन्न-2 आर्थशास्त्रियों के नौ अलग-अलग सिद्धांतों का प्रतिपादन किया है। लाभ के सिद्धांतों में इस विभिन्नता का प्रधान कारण लाभ की उत्पत्ति के कारणों के संबंध में आर्थशास्त्रियों में मतभेद है। वास्तव में साहसी के कार्य के लिए दिया जाता है। इस संबंध में आर्थशास्त्रियों में अभी तक एक मत नहीं हो पायी है। लाभ के निम्नलिखित सिद्धांत हैं:

- 1) लाभ का भ्रान्त सिद्धांत (Rent theory of Profit)
- 2) लाभ का जोखिम सिद्धांत (Risk-bearing theory of Profit)
- 3) लाभ का अनिश्चितता वहन सिद्धांत (The Uncertainty bearing theory of Profit)
- 4) लाभ का गतिशील सिद्धांत (Dynamic theory of Profit)
- 5) लाभ का समाजवादी सिद्धांत (The Socialist theory of Profit)
- 6) कुम्पीयर का अन्वेषण सिद्धांत (Kumpier's Suchuonpeter's Innovation theory)
- 7) लाभ का सीमान्त उत्पादकता सिद्धांत (Marginal Productivity theory of Profit)
- 8) लाभ का मांग एवं पूर्ति सिद्धांत (Demand and supply theory of Profit)